सवाई मानसिंह अस्पताल में शुरू होगी ईवनिंग ओ.पी.डी.

अधिक रोगीभार को देखते हुए कुछ विभागों में शुरू की जाएगी यह व्यवस्था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल में मरीजों को सुगमता से उपचार उपलब्ध करवाने एवं क्राउड मैनेजमेंट के लिए अधिक रोगी भार वाले विभागों में ईवनिंग (संध्याकालीन) ओपीडी शुरू की जाएगी। पहले चरण में यह शुरूआत मेडिसिन विभाग से होगी। इसके साथ ही दवा वितरण काउंटरों की संख्या बढ़ाई जाएगी एवं जांच के लिए सैम्पल कलेक्शन हेतु मानव संसाधन बढ़ाया जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने गुरूवार को सवाई मानसिंह अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के निरीक्षण के दौरान इस संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल देश के सबसे बड़े एवं नामी अस्पतालों में शामिल है, इसलिए यहां रोगीभार अधिक होना स्वाभाविक है, लेकिन रोगियों को इलाज में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। अधिक समय तक कतारों में नहीं खडा रहना पडे, इसके लिए अस्पताल प्रशासन तात्कालिक इंतजाम सुनिश्चित करने के साथ ही दीर्घकालिक योजना पर भी काम करे।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने गुरूवार को सवाई मानसिंह अस्पताल में औचक निरीक्षण किया।

- प्रथम चरण में मेडिसिन विभाग से होगी शुरूआत, शाम 5 से 7 बजे तक परामर्श ले सकेंगे रोगी

वरिष्ठ चिकित्सक भी रहेंगे उपलब्ध

राठौड़ ने धन्वंतरि ओपीडी में कार्डियोलॉजी, मेडिसिन एवं आर्थोपेडिक्स विभाग का दौरा कर वहां स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विभागों में रोगी भार अत्यधिक रहता है, उनमें वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर ईवनिंग ओपीडी भी शुरू की जाए, ताकि रोगियों को ज्यादा समय तक अस्पताल में नहीं रहना पड़े। उन्होंने प्रथम चरण में मेडिसिन विभाग में शाम 5 से 7 बजे तक ओपीडी सेवाएं शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शाम के समय भी ओपीडी में वरिष्ठ चिकित्सकों सहित पर्याप्त संख्या में चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहेगा। यह व्यवस्था सफलतापूर्वक लागू होने पर अन्य विभागों में भी ईवनिंग ओपीडी शुरू किए जाने पर विचार किया जाएगा।

दवा वितरण केन्द्र भी बढ़ाए जाएंगे

प्रमुख शासन सचिव ने दवा वितरण केंद्रों का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि रोगीभार को देखते हुए तत्काल प्रभाव से चार से पांच नए काउंटर खोले जाएं। साथ ही, आवश्यक दवा सूची में शामिल शत-प्रतिशत दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जो दवाएं नियमित आपूर्ति के माध्यम से प्राप्त नहीं हों, उनकी नियमानुसार खरीद कर रोगी को उपलब्ध करवाई जाएं। इसके लिए कॉन्फेड आदि संस्थाओं के साथ भी समन्वय किया जा सकता है। उन्होंने ब्लड सैम्पल कलेक्शन सेंटर का भी निरीक्षण किया और यहां मानव संसाधन बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि रोगियों को इंतजार नहीं करना पड़े।

छाया-पानी का पुख्ता प्रबंध हो

राठौड़ ने अस्पताल में सामान्य वार्ड एवं अन्य चिकित्सा सेवाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने हीटवेव एवं तेज गर्मी के दृष्टिगत अस्पताल में कूलिंग के समुचित इंतजाम सुनिश्चित करने तथा रोगी एवं परिजनों के लिए पेयजल व छायादार स्थानों की उपलब्धता के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तात्कालिक आवश्यकताओं के लिए नियमानुसार आरएमआरएस के फण्ड का उपयोग किया जाए, लेकिन रोगियों को किसी प्रकार की तकलीफ नहीं हो।

प्रमुख शासन सचिव ने निरीक्षण के दौरान रोगियों एवं उनके परिजनों से संवाद भी किया। उन्होंने अस्पताल में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में फीडबैक लिया। रोगियों से मिले फीडबैक के आधार पर उन्होंने जरूरी सुधार करने के निर्देश भी दिए।

होटल ट्रेडिशनल हवेली में चल रहे हुक्का बार पर छापा

जयपुर। राजधानी में अवैध हुक्का बारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) और सदर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बनीपार्क स्थित एक होटल में अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में हुक्का सामग्री जब्त कर मैनेजर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि सीएसटी को सूचना मिली थी कि सदर थाना इलाके के बनीपार्क के गायत्री मार्ग स्थित होटल ट्रेडिशनल हवेली में नियमों को ताक पर रखकर अवैध रूप से हुक्का पिलाया जा रहा है।

सूचना पुख्ता होने पर पुलिस टीम ने होटल के रेस्टोरेंट पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 07 हुक्के (मय चिलम और रबर पाइप),भारी मात्रा में तंबाकू फ्लेवर अलग-अलग इस्तेमाल किए जा रहे डिब्बे सहित अन्य हुक्का सामग्री बरामद की गई। साथ ही पुलिस ने मौके से होटल मैनेजर सुभहा राय को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा वहां फ्लेवर्ड हुक्का पी रहे 6 व्यक्तियों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत चालान काटकर जुर्माना वसूला गया। पुलिस अब होटल मालिक की भूमिका और अवैध सामग्री की सप्लाई के बारे में पूछताछ कर रही है।

जलेबी चौक से चोरी हुई स्कॉर्पियो बरामद कर पुलिस ने गुजरात के 2 बदमाश दबोचे

जयपुर। माणक चौक पुलिस ने जलेबी चौक से चोरी हुई स्कॉर्पियो कार को सीकर के पास से बरामद कर गुजरात निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपितो से पूछताछ की जा रहीहै।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि 5 मई को एक पर्यटक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपनी स्कॉर्पियो कार लेकर जयपुर घूमने आया था। उसने अपनी गाड़ी जलेबी चौक स्थित पार्किंग में खडी की थी, लेकिन थोड़ी देर बाद लौटने पर गाड़ी वहां से नदारद मिली। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस के बाद

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर-प्रथम) नीरज पाठक और सहायक पुलिस आयुक्त (माणक चौक) पीयूष कविया के निर्देशन में थानाधिकारी राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरों को खंगाला।

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीकी विश्लेषण से पता चला कि दो युवक कार चोरी कर जयपुर से बाहर निकले हैं। पुलिस को सूचना मिली कि चोरी की गई कार सीकर की ओर जा रही है। इस पर टीम को तुरंत रवाना किया गया और सीकर के रानोली टोल नाके पर घेराबंदी की गई। पुलिस ने बिना रुके पीछा करते हुए कार को रुकवाया और उसमें सवार दीप नारायण मिश्रा (20) निवासी

राजेश्वरी सोसायटी अहमदाबाद (गुजरात) और रितेश मिश्रा (23) निवासी रोहतास (बिहार) हाल निवासी साबरमती अहमदाबाद (गुजरात) को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है कि वे जयपुर में किसी बड़े गैंग से जुड़े हैं या पहले भी ऐसी वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

273 लखपति दीदी कैंटीनों पर मिलेंगे सरस ब्राण्ड के सभी उत्पाद

राजीविका और सरस मिलकर महिलाओं के लिये तैयार करेंगे बिजनेस मॉडल

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बुधवार को सचिवालय में राजीविका और आरसीडीएफ की बैठक ली।

जयपुर (कासं)। प्रदेश में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राजीविका और आरसीडीएफ (सरस) मिलकर एक नया बिजनेस मॉडल तैयार करेंगे, ताकि महिलाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से नारी शक्ति वंदन की यह अनूठी पहल ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं को डेयरी सहकारिता में स्वरोजगार के नये अवसर प्रदान करेगी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय में हुई बैठक में इस मॉडल पर विस्तृत चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं।

राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि राजीविका द्वारा संचालित 273 लखपति दीदी केंटीनों पर सरस का दूध और दूध से बने सभी उत्पाद उपलब्ध कराये जायेंगे। इसके अलावा पहले चरण में राज्य की सभी जिला कलेक्ट्रेट में सरस केंटीन संचालित की जायेगी। सरस डेयरी बूथ के आवंटन में राजीविका के सैल्फ हैल्प ग्रुप महिलाओं को प्राथमिकता दी जावेगी और इनका संचालन सरस राजीविका दीदी द्वारा किया जावेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला डेयरी उद्यिमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरस बूथ और सरस मिनीमार्ट स्थापित करने के लिये भी सैल्फ हैल्प ग्रुप महिलाओं को भी प्राथमिकता दी जावेगी। उन्होंने बताया कि आरसीडीएफ द्वारा प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों और पर्यटन स्थलों पर विकसित किये जाने वाले सरस पार्लर के आवंटन में भी राजीविका से जुड़ी महिलाओं को भी प्राथमिकता दी जावेगी। राजीविका सखियों को ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध व्यवसाय से भी जोड़ा जावेगा और उन्हें दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का सदस्य भी बनाया जायेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बीकानेर, बाड़मेर और जैसलमेर क्षेत्रों में कैमल मिल्क पाउडर और उसकी मार्केटिंग के लिये कार्ययोजना बनाई गई है जिसके अन्तर्गत राजीविका के नेटवर्क के माध्यम से सरस उत्पादों की मार्केटिंग को ग्रामीण स्तर पर पहुँचाया जायेगा।

निगम प्रशासन कल चलाएगा ''ऑपरेशन क्लीन स्वीप''

- 9 मई को यह अभियान रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक चलाया जाएगा, ताकि यातायात प्रभावित हुए बिना शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावी ढंग से अंजाम दिया जा सके : आयुक्त ओम कसेरा

नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा गुरुवार को पत्रकारों से रूबरू हुए।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम जयपुर द्वारा शहर की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 9 मई को विशेष रात्रिकालीन अभियान ऑपरेशन क्लीन स्वीप चलाया जाएगा।

इस अभियान की जानकारी नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि जयपुर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए निगम लगातार विशेष अभियान संचालित कर रहा है और ऑपरेशन क्लीन स्वीप उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह अभियान रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक चलाया जाएगा, ताकि यातायात प्रभावित हुए बिना शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावी ढंग से अंजाम दिया जा सके। इस विशेष ड्राइव के तहत नगर निगम का मुख्य फोकस हेरिटेज और परकोटा क्षेत्र रहेगा। यहां व्यापक स्तर पर सफाई, कचरा निष्पादन और सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे। अभियान में करीब 2000 सफाई कर्मियों को लगाया जाएगा। सफाई कर्मचारियों को कार्य के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनमें हूपर, झाड़ू, डंपर, हाथ गाड़ी, गम बूट, टॉर्च, फावड़ा और विशेष नाइट जैकेट शामिल हैं। अभियान की निगरानी और प्रभावी संचालन के लिए निगम प्रशासन ने 36 बीट्स का गठन किया है, जिनमें अधिकारियों और टीमों की जिम्मेदारी तय की गई है।

नगर निगम प्रशासन के अनुसार पिछले एक माह में जयपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में यह तीसरी बड़ी पहल है। निगम का उद्देश्य जयपुर को देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल करने के साथ-साथ उसकी विरासत और सौंदर्य की नई पहचान स्थापित करना है।

बोन मैरो ट्रांसप्लांट से थैलेसीमिया मरीजों को मिल सकती है जिंदगी

जयपुर (कासं)। थैलेसीमिया एक गंभीर अनुवांशिक रक्त विकार है, लेकिन आधुनिक चिकित्सा तकनीकों और बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) की मदद से इसका स्थायी उपचार संभव हो चुका है। बीएमटी की वजह से आज के सयम में थैलेसीमिया से पीड़ित लोगों की जान भी बचाई जा रही है। यह जानकारी भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल के वरिष्ठ ब्लड कैंसर एवं बीएमटी विशेषज्ञ डॉ प्रकाश सिंह शेखावत ने दी। डॉ.शेखावत ने बताया कि थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों को हर 15 से 20 दिन में रक्त चढ़ाने की आवश्यकता पड़ती है। लंबे समय तक बार-बार रक्त चढाने से शरीर में आयरन की मात्रा बढ जाती है, जिससे हृदय, लिवर, हार्मोन एवं ग्रोथ संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे मरीजों के लिए नियमित उपचार और विशेषज्ञ निगरानी अत्यंत आवश्यक होती है।

बोन मैरो ट्रांसप्लांट वर्तमान में थैलेसीमिया का सबसे प्रभावी और स्थायी उपचार माना जाता है। इस प्रक्रिया में मरीज के खराब बोन मैरो को स्वस्थ स्टेम सेल्स से बदला जाता है, जिससे शरीर सामान्य रूप से स्वस्थ रक्त बनाना शुरू कर देता है। यदि मरीज को समय पर उपयुक्त डोनर मिल जाए, विशेष रूप से भाई-बहन में मैचिंग डोनर होने पर, तो बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सफलता दर काफी बेहतर होती है। बीएमसीएच की बाल कैंसर एवं रक्त रोग विषेषज्ञ डॉ. शिवानी माथुर ने बताया कि थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों में शरीर में अत्यधिक कमजोरी, चेहरा पीला पड़ना, बार-बार बुखार या संक्रमण होना, भूख कम लगना, वजन-लंबाई का सही विकास नहीं होना जैसे लक्षण होते है।

सूदखोरों की प्रताडना से तंग अधेड़ ने दी जान

सुसाइड नोट में लिखी दर्द भरी दास्तां

जयपुर (कासं)। जयपुर ग्रामीण जिले के रेनवाल थाना क्षेत्र में सूदखोरी से परेशान होकर एक अधेड व्यक्ति द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक ने आत्महत्या से पहले व्हाट्सएप पर सुसाइड नोट भेजकर कई लोगों पर मानसिक प्रताडना और जान से मारने की धमकियां देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

रेनवाल थानाधिकारी नरेश कंवर के अनुसार मृतक मोहनलाल बारावाल निवासी जोधपुरा, रेनवाल ने आत्महत्या से पूर्व लिखे सुसाइड नोट में बताया कि उसने मूलधन से कई गुना अधिक रकम चुका दी थी, लेकिन इसके बावजूद उसे सूदखोरों से छुटकारा नहीं मिल रहा था। आरोप है कि लगातार रुपए मांग कर मानसिक दबाव बनाया जा रहा था और जान से मारने की धमकियां भी दी जा रही थीं।

सुसाइड नोट में करोड़ों रुपए के लेन-देन और सूदखोरी के हिसाब-किताब का भी उल्लेख किया गया है। मृतक ने लिखा कि आत्महत्या के अलावा मेरे पास कोई और रास्ता नहीं बचा था। साथ ही जिला प्रशासन और राज्य सरकार से सूदखोरों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग भी की।

मामले में परिजनों ने करीब पांच नामजद लोगों के खिलाफ रेनवाल थाने में मामला दर्ज करवाया है। आरोप है कि रुपए के लेनदेन को लेकर मृतक को लगातार मानसिक रूप से प्रताडित किया गया और आत्महत्या के लिए उकसाया गया। घटना के बाद परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक पोस्टमार्टम नहीं कराया जाएगा। मृतक का शव उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। थानाधिकारी नरेश कंवर मौके पर पहुंचकर परिजनों से समझाइश के प्रयास किया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और सुसाइड नोट की भी जांच की जा रही है।

चलती स्कूटी बनी आग का गोला

जयपुर। अशोक नगर थाना क्षेत्र के करतारपुरा इलाके में गुरुवार को एक चलती स्कूटी में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे के दौरान स्कूटी चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत वाहन से छलांग लगाकर अपनी जान बचा ली। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन स्कूटी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करतारपुरा इलाके में स्कूटी चलते समय अचानक उसमें से धुआं निकलना शुरू हुआ। कुछ ही क्षणों में स्कूटी आग की लपटों से घिर गई। सड़क पर आग लगी स्कूटी देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और राहगीरों ने अपने वाहन रोक दिए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और आग पर पूरी तरह काबू पाया। घटना के दौरान सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। जांच में स्कूटी में तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका है।

गहने चुराने वाली महिला गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर नगर पुलिस ने बुजुर्ग महिलाओं को झांसा देकर उनके गहने पार करने वाली एक शातिर गुजराती गैंग की मुख्य महिला सदस्य को गिरफ्तार किया है। यह गैंग ऑटो में लिफ्ट देने के बहाने कटर से गहने काटकर चोरी की वारदातों को अंजाम देती थी। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि जवाहर नगर थाना पुलिस ने बुजुर्ग महिलाओं को झांसा देकर उनके गहने पार करने वाली एक शातिर गुजराती गैंग की मुख्य महिला सदस्य चन्द्राबेन उर्फ चंदा देवी (42) निवासी भावनगर (गुजरात) हाल सदर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया कटर बरामद कर लिया है।

सार-समाचार

आठ वर्षीय ईवा ने लिखी पुस्तक

जयपुर। जयपुर की 8 वर्षीय ईवा की पहली किताब 'ईवा की मखमली दुनिया' बच्चों की दिलचस्प दुनिया से मुलाकात करवाती है। इसमें मस्ती के साथ-साथ बच्चों से सीखने की भी बातें हैं। ईवा ने अपने घर, स्कूल और आसपास की दुनिया को अपनी नई किताब 'ईवा की मखमली दुनिया' में खूबसूरती से समेटा है। जयपुर के केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 में तीसरी क्लास में बढ़ने वाली ईवा घर और आसपास की दिलचस्प घटनाओं को अपनी डायरी में लिखती रही हैं। ईवा ने अपनी कहानियों में बड़े भाई, मम्मी-पापा, नाना-नानी, मौसी और स्कूल की दोस्तों के साथ हुई घटनाओं को मजेदार ढंग से किताब में लिखा है। इस किताब में उन्होंने कुल उन्नीस छोटी-छोटी डायरी की शक्ल में कहानियां लिखी हैं। दृशी प्रकाशन से आई ईवा कि इस पहली किताब में निडर रहने, लाल बत्ती पर रुकने और मुश्किल में दोस्त की मदद करने जैसी नैतिक शिक्षा और नागरिक शिष्टाचार की घटनाओं को भी कहानियों में पिरोया है। ईवा ने पुस्तक में घर और पडौस में आयोजित होली, दिवाली, दशहरा जैसे उत्सवों की मस्तियां और अपने भाई के साथ खींचतान को बचपने अंदाज में लिखा है। पुस्तक लिखने की प्रेरणा के बारे में ईवा बताती है कि केवी में पढ़ने वाले उसके बड़े भाई अद्वैत की किताब को देखकर ही उसने डायरी लिखने के बारे में सोचा। गौरतलब है कि ईवा के बड़े भाई अद्वैत जिंदल को उनकी पुस्तक के लिए राजस्थान की जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी का रानी चूंडावत बाल साहित्य पुरस्कार मिल चुका है। ईवा के पिता और भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी मुरारी गुप्ता भी ख्यात लेखक तथा उपन्यासकार हैं।

यातायात प्रहरियों को छाते बांटे

जयपुर। राजधानी की सड़कों पर चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बीच यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने वाले यातायात पुलिसकर्मियों की सेहत का ख्याल रखते हुए जयपुर पुलिस ने विशेष पहल की है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशों पर गुरुवार को फील्ड में तैनात जवानों को पानी की बोतलें और छाते वितरित किए गए। पुलिस उपायुक्त (यातायात) योगेश गोयल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर यातायात योगेश दाधीच के नेतृत्व में शुरू किए गए इस अभियान में भामाशाहों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके चलते धानुका ग्रुप और सीकर रोड व्यापार महासंघ ने सामाजिक सरोकार (सीएसआर) के तहत यह सहयोग प्रदान किया है। धानुका ग्रुप की ओर से 750 पानी की बोतलें और सीकर रोड व्यापार महासंघ की ओर से 100 बोतलें व 200 छाते उपलब्ध कराए गए हैं। इस अभियान का आगाज़ करते हुए डीसीपी यातायात योगेश गोयल स्वयं 22 गोदाम चौराहा, राममंदिर चौराहा और पोलो सर्किल जैसे प्रमुख यातायात पॉइंट्स पर पहुँचे। वहां उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से मुलाकात कर उन्हें छाते और बोतलें प्रदान कीं। उन्होंने एसीपी और उपनिरीक्षकों को भी निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर जवानों को ये राहत सामग्री पहुँचाएं। इस अवसर पर डीसीपी ने कहा कि समाज और व्यापारिक संगठनों द्वारा किया गया यह छोटा सा सहयोग पुलिसकर्मियों के समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति सम्मान का प्रतीक है। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रानू शर्मा (दक्षिण), समीर दुबे (पश्चिम), डॉ. हरी प्रसाद सोमानी (उत्तर), धानुका ग्रुप के अध्यक्ष योगेश अग्रवाल, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष दिनेश मित्तल, उपाध्यक्ष पवन सैनी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री से मिले एनसीसी महानिदेशक

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान एनसीसी राजस्थान निदेशालय के उप महानिदेशक एयर कमोडोर एस. के. आनंद एवं निदेशक कर्नल नितिन सहरावत भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सेना के अधिकारियों को ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ की शुभकामनाएं दी।

जुआघर चलाने वाला गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर ने आमागढ क्षेत्र में अवैध जुआघर चलाने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जो पिछले दो महीनों से पुलिस को चकमा दे रहा था। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि 23 फरवरी 2026 को पर्वत कॉलोनी आमागढ में एक मकान की दूसरी मंजिल पर बिना लाइसेंस के जुआ खेलते हुए 13 आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा गया था। उस समय पुलिस ने मौके से 1,20,620 रुपये की नकदी और ताश की पत्तियां बरामद की थीं। हालांकि, जुआघर का असली मालिक और मुख्य आयोजक मोहसीन कुरैशी उस दौरान फरार होने में कामयाब रहा था। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) आलोक सिंघल और सहायक पुलिस आयुक्त (आदर्शनगर) लक्ष्मी सुथार के सुपरविजन में थानाधिकारी अरुण कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना पर लगातार दबिश दी। पुलिस ने फरार आरोपी मोहम्मद मोहसिन कुरैशी (37 वर्ष) को आमागढ पर्वत कॉलोनी से गिरफ्तार कर लिया।

लूट-अपहरण का वांटेड बदमाश देहरादून की स्कूल में सुरक्षा गार्ड बनकर काट रहा था फरारी

सीआईडी क्राइम ब्रांच ने 12 साल से फरार इस 20 हजार के इनामी बदमाश दिवेश मौर्य को दबोचा

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस की शाखा सीआईडी सीबी की स्पेशल टीम ने कुख्यात बदमाशों और इनामी अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान में एक और बडी सफलता करते हुए साल 2014 से बांसवाड़ा के कोतवाली थाना क्षेत्र में लूट और अपहरण की वारदात में फरार चल रहे 20 हजार रुपये के इनामी अपराधी दिवेश मौर्य को देहरादून (उत्तराखंड) से डिटेन कर लिया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि डीआईजी राशि डोगरा डूडी और एएसपी नेहा अग्रवाल के सुपरविजन में एक विशेष टीम गठित की गई थी। उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में टीम को भरतपुर, मेरठ और देहरादून

आरोपी दिवेश मौर्य

की ओर सूचना संकलन के लिए भेजा गया था। जहां टीम के सदस्य हेड कांस्टेबल कुलदीप सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि बांसवाडा का

- सीआईडी टीम अब अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी

वांछित अपराधी दिवेश मौर्य देहरादून में अपनी पहचान छुपाकर रह रहा है। पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण के आधार पर सूचना को पुख्ता किया तो पता चला कि इसके हुलिये का व्यक्ति सिक्योरिटी गार्ड के रूप में देखा गया है। जिस पर टीम ने देहरादून की विभिन्न सिक्योरिटी एजेंसियों से संपर्क साधा।

गहन जांच के बाद पता चला कि आरोपी एसआईएस सिक्योरिटी एजेंसी में कार्यरत है और वर्तमान में देहरादून के डीडी स्कूल में गार्ड के तौर पर तैनात है। पुलिस टीम ने स्थानीय गढ्ढी कैंट थाना पुलिस के सहयोग से घेराबंदी की और आरोपित को दबोच लिया। आरोपपित की पहचान दिवेश मौर्य पुत्र नंदलाल मौर्य निवासी न्यू वसंत विहार देहरादून के रूप में हुई।

वर्ष 2014 में बांसवाड़ा निवासी एलआईसी एजेंट मनीष संचावत को बीमा कराने के बहाने बाबजी गार्डन के पास बुलाया गया था। वहां दो युवक उसकी कार में बैठे और पिस्तौल दिखाकर उसका अपहरण कर उदयपुर रोड की तरफ ले गए। आरोपितों ने उससे नकदी, पर्स और मोबाइल वगैरह लूट लिया। रास्ते में चिड़ियावासा के पास मौका मिलते ही मनीष संचावत कार से कूदकर भाग निकला। जांच के दौरान मौके पर मिले सामान के आधार पर आरोपितों की पहचान चिरायु गुप्ता, मोहित गुप्ता और दिवेश मौर्य के रूप में हुई थी। घटना के बाद से सभी आरोपित फरार चल रहे थे। आरोपित लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे और पहचान छिपाकर अलग-अलग स्थानों पर रह रहे थे। इसी कारण उनकी गिरफ्तारी पर 20-20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। फिलहाल दिवेश मौर्य को पकड लिया गया है, जबकि अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। टीम ने आरोपी को बांसवाड़ा कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया है, जहां उससे अन्य वारदातों और साथियों के बारे में पूछताछ की जाएगी। इस सफल ऑपरेशन में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल बृजेश कुमार , कुलदीप सिंह और कांस्टेबल सोहनदेव यादव की विशेष भूमिका रही।